!! जय भिक्षु !! !! जय महाश्रमण !!

!! अर्हम् !!

अक्षय तृतीया महोत्सव

सुनाम - महातपस्वी, ग्यारवें अधिशासता आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या साध्वी श्री सोहनकुमारी जी छापर के सान्निधय में अक्षय तृतीया का आयोजन हुआ। साध्वी वृन्द के मंगलाचरण से कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। उँ ऋषभाय नमः का जाप करवाकर कार्यक्रम आगे बढाया।

साध्वी श्री लज्जावती जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति त्याग की संस्कृति त्याग और अध्यात्म की संस्कृति है। महापुरूष एक ज्योति ज्ञान को लेकर अवतरित होते है। अध्यात्म की दृष्टि से भगवान ऋष्भ ने संसार को बहुत कुछ दिया। ऋष्भ ने असि, मसि और कृषि का प्रवर्तन कर नई सभ्यता व संस्कृति का प्रादुर्भाव किया। कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति होते ही तीर्थ का प्रवर्तन किया। साधना का विशिष्ट पथ प्रशस्त किया। भगवान ने स्वयं साधना की अध्यात्म की। लक्ष्य को पाकर अपना मार्ग प्रशस्त किया। आज का मनुष्य शांति की चाह तो रखता है, किंतु अपनी कामना व इच्छाओं का अंत नही करता है। हम पौदगलिक वस्तुओं की मांग न कर उदारता, सहिष्णुता आदि का लक्ष्य बनाएं। आज का दिन अक्ष्यतृतीया का पावन दिन है-एक संकल्प करें १५ मिनिट की आत्म चिंतन करें। अहंकार और ममकार को कम करने का कृत संकल्प करें।

इस कार्यक्रम में साध्वी लावण्य श्री जी, साध्वी सिद्धान्त श्री जी, पूनम जैन, केवलकृष्ण जी जैन, रामलाल जी जैन, राजेन्द्र जी जैन, यशपाल जी जैन, विपिन जी जैन आदि ने भगवान ऋष्भदेव के प्रति अपनी भावनाएं प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का कुशल संयोज तेरापंथ युवक परिषद् के कार्यकर्ता हितैष जैन ने किया।

सुनाम का श्रावक समाज शासन श्री साध्वी सोहनकुमारी जी को इक्षु रस बहराता हुआ।

Yours Faithfully,
All TYP Members,
President:- Sumit Jain.
Secratery:- Ashish Jain.
Hitesh Jain (90413-99764).

Date of Sent:- 24-4-2012.

****